माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

नवीन अंक योजना आधारित

आदर्श प्रश्न पत्र एवं आदर्श उत्तर

कक्षा 12वीं

बहीखाता एवं लेखाकर्म
(Book Keeping and Accountancy)

सत्र 2013–14

माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश, भोपाल

(द्वारा सर्वाधिकार सुरक्षित)

प्रश्न – पत्र ब्लूप्रिन्ट
BLUE PRINT OF QUESTION PAPER
परीक्षा : हाईस्कूल/हायर सेकेण्डरी

कक्षा :– 12वीं | पूर्णांक :– 100

विषय :– पुस्त पालन एवं लेखाकर्म (वाणिज्य समूह) | समय : 3:00 घण्टे

स.क्र.	इकाई एवं विषय वस्तु	इकाई पर आवंटित अंक	वस्तु निष्ठ प्रश्न	अंकवार प्रश्नो की संख्या					कुल प्रश्न
			1 अंक	2 अंक	4 अंक	5 अंक	6 अंक	7 अंक	
1	प्रेषण लेखे	10	5	–	–	1	–		1
2	साझेदारी लेखे	07	3	–	1	–	–		1
3	साझेदारी का पुनर्गठन	08	3	–	–	1	–		1
4	नए साझेदार का प्रवेश एवं निवृत्ति	10	5	–	–	1	–		1
5	साझेदारी फर्मो का समापन (विघटन)	10	4	–	–	–	1		1
6	अंश पूजी लेखे	15	–	–	1	1	1		3
7	ऋण पत्र संबंधी लेखे	15	5	1	2	–	–		3
8	कम्पनी का वित्तीय विवरण	05	–	–	–	1	–		1
9	वित्तीय विवरणों का विश्लेषण	10	–	3	1	–	–		4
10	वित्तीय स्थिति में परिवर्तन–सूचक विवरण	10	–	1	2	–	–		3
	योग	100	25	5	7	5	2		19+5= 24

निर्देश:– प्रश्नपत्र निर्माण हेतु विशेष निर्देश–

1. प्रश्न क्रमांक 1 से 5 तक, 5 प्रकार के वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे। जिसके अन्तर्गत एक शब्द में उत्तर, मेचिंग, सही विकल्प तथा रिक्त स्थानों की पूर्ति के प्रश्न होंगे। प्रत्येक प्रश्न के लिए1 अंक निर्धारित है। (1x4x5=20) यह प्रश्न प्रत्येक छात्र को हल करना अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 5 से 18 तक प्रत्येक प्रकार के प्रश्नों की उत्तर सीमा निम्नानुसार रहेगी–
   अतिलघुउत्तरीय प्रश्न 02 अंक लगभग 30 शब्द
   लघुउत्तरीय प्रश्न 04 अंक लगभग 75 शब्द
   दीर्घउत्तरीय प्रश्न 05 अंक लगभग 120 शब्द
   दीर्घउत्तरीय प्रश्न 06 अंक लगभग 150 शब्द
   निबंधात्मक प्रश्न 7 अंक लगभग 250 से 300 शब्द
3. वस्तुनिष्ठ प्रश्नों को छोड़कर शेष सभी प्रश्नों में विकल्प योजना रहेगी।
4. विकल्प के प्रश्न उसी इकाई से, समान कठिनाई स्तर वाले तथा पाठ्यक्रम अनुसार होना चाहिए।
5. कठिनाई स्तर– 40 सरल प्रश्न, 45 सामान्य प्रश्न, 15 कठिन

हायर सेकेण्डरी सर्टीफिकेट परीक्षा–2013

बहीखाता एवं लेखाकर्म

(Book Keeping and Accountancy)

समय :– 3 घण्टे पूर्णांक – 100

निर्देश :–

(1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।

(2) प्रश्न पत्र में दिये गये निर्देश सावधानीपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(3) प्रश्न पत्र में दो खण्ड दिये गये हैं खण्ड–अ और खण्ड–ब

(4) खण्ड–अ में दिये गये प्रश्न 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है।

(5) खण्ड–ब में प्रश्न क्र. 5 से 18 में आन्तरिक विकल्प दिये गये हैं।

(6) प्रश्न क्र. 6 से 10 तक प्रत्येक प्रश्न पर 2 अंक आवंटित हैं।

(7) प्रश्न क्र. 11 से 17 तक प्रत्येक प्रश्न पर 4 अंक आवंटित हैं।

(8) प्रश्न क्र. 18 से 22 तक प्रत्येक प्रश्न पर 5 अंक आवंटित हैं।

(9) प्रश्न क्र. 23 से 24 तक प्रत्येक प्रश्न पर 6 अंक आवंटित हैं।

Introductions :-

i) All questions are compulsory.

ii) Read the instruction of question paper carefully and write answer of them.

iii) There are two Sections – sections 'A' and section 'B' in question paper.

iv) In section "A" question No. 1 to 5 are objective type, each question is allotted 5 marks.

v) In section B question No. 6 to 24 have internal option.

vi) Question No. 6 to 10 carry 2 marks each.

vii) Q. No. 11 to 17 carry 4 marks each.

viii) Q. No. 18 to 22 carry 5 marks each.

ix) Q. No. 23 & 24 carry 6 marks each.

(वस्तुनिष्ठ प्रश्न)

(Objective Type Questions)

प्र.1 नीचे दिए गये विकल्पों में से सही उत्तर लिखिये – **5**

क) प्रेषण पर भेजे गये माल की मार्ग में चोरी हो जाना हानि है –

अ) औसत हानि ब) सामान्य हानि

स) असामान्य हानि द) व्यवसाय हानि

ख) आहरण पर ब्याज फर्म के लिए है –

अ) व्यय ब) हानि

स) लाभ द) आय

ग) ख्याति है –

अ) स्थायी दृश्य सम्पत्ति ब) चालू सम्पत्ति

स) स्थायी अदृश्य सम्पत्ति द) दायित्व

घ) कम्पनी ऋण पत्रों पर भुगतान करती है

अ) ब्याज ब) लाभांश

स) केवल लाभ में हिस्सा द) ब्याज और लाभांश दोनों

ड.) ऋण पत्रधारी कम्पनी का होता है –

अ) सदस्य ब) ऋणदाता

स) अंशधारी द) साझेदार

Choose the correct option

1) When the goods sent on consignment is stolen in Transit is called -

a) Average loss b) Normal Loss

c) Abnormal loss d) Business loss

2) Interest on drawing to firm is -

a) Expenses b) Losses

c) Profit d) Income

3) Good will is

a) Fixed tangible assets b) current assets

c) Fixed ineligible assets d) Liabilities

4) The company pays on debenture

a) Interest b) Dividend

c) Share in profit only d) Interest & Dividend both

5) Debenture holder is company -

a) Member b) Creditor

c) Share Holder d) Partner

प्र.2 निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए – **5**

1) ऋण पत्रधारी कम्पनी के ..... में हस्तक्षेप नहीं करते है।

2) यदि A, B और C साझेदार 3 : 2 : 1 के अनुपात में लाभ–हानि का विभाजन करते हों तो B के अवकाश ग्रहण करने पर A और C के लाभ विभाजन का अनुपात ..... होगा।

3) एजेन्ट अपने कार्यों के लिए ..... के प्रति उत्तरदायी होता है।

4) साझेदारी संलेख बनाना ..... नहीं है।

5) बिल्ली के स्वभाव बाली ख्याति ..... हेतु श्रेष्ठ है।

Fill in the blanks –

i) Debenture Holder does not interfere in ..... of company

ii) If A, B & C partner of a firm, share profit and loss of the firm in the ratio 3:2:1 on the retirement of B. Profit & loss sharing ratio of A and C will be .....

iii) Agent is liable to ..... for his acts.

iv) To prepare partnership deed is not .....

v) Cat's nature goodwill is good for .....

प्र.3 सही जोड़ी बनाइये – **5**

'अ'		'ब'
i) नये साझेदार के प्रवेश पर	–	अ) बैंक से ऋण
ii) साझेदार के अवकाश ग्रहण पर	–	ब) ख्याति
iii) पूर्नमूल्यांकन खाता	–	स) त्याग का अनुपात
iv) आन्तरिक दायित्व	–	द) फर्म का पुनर्गठन
v) विक्रय योग्य सम्पतित	–	इ) नाम मात्र का खाता
		फ) साझेदार से ऋण
		ज) वस्तुगत खाता
		ह) प्राप्ति का अनुपात

Match the following –

[A]		[B]
i) On admission of new partner	-	a) Loan from bank
ii) On retirement of partner	-	b) Goodwill
iii) Revaluation account	-	c) sacrifieing ratio
iv) Internal liabilities	-	d) reconstitution of firm
v) Saleable assets	-	e) Nominal account
	-	f) Loan from partner
	-	g) real account
	-	h) gaining ratio

प्र. 4 एक वाक्य में उत्तर लिखिए – **5**

अ) प्रेषक खाता कौन बनाता है ?

ब) साझेदार की मृत्यु पर भुगतान किसको किया जाता है ?

स) वसूली खाता फर्म के जीवन काल में कितनी बार खोला जाता है ?

द) चालू खाता किस प्रणाली में खोला जाता है ?

ई) ऐसे ऋणपत्र जिनका हस्तान्तरण केवल सुपुर्दगी से होता है, क्या कहलाता है ?

Give answer in one sentence –

i) Who prepare consignor account ?

ii) To whom amount is paid on the death of a partner ?

iii) How many time a realisation account opened in the lifetime of a firm?

iv) By which method current account is opened ?

iv) Which debenture can be transfer merly by delivery without any legal formalities ?

प्र. 5 **सत्य/असत्य लिखिए –** **5**

अ) फर्म का समापन एक साझेदार के दिवालिया होने पर हो जाता है।

ब) प्रेषक द्वारा दर्शनाथ बीजक में कम मूल्य लिखा जाता है।

स) प्राकृतिक कारणों से होने वाली हानि को सामान्य हानि कहते हैं ।

द) अधिलाभ = सामान्य लाभ – वास्तविक लाभ।

ई) ऋण पत्रों को हरण किया जा सकता है।

Write True / False –

i) A Firm dissolves on insolvency of one partner.

ii) Less price is written in proforma invoice by consignor.

iii) Normal loss is that happened by natural reasons.

iv) Super profit = Normal profit – Actual Profit.

v) Debenture can be forfeited.

प्रश्न –6 **अपरिवर्तनशील ऋण पत्र से क्या आशय है ?** **2**

What is meant by non convertible debentures ?

अथवा OR

अशोध्य ऋण पत्र से क्या आशय है ?

What is meant by Irredecmable Debentures ?

प्रश्न –7 **चालू सम्पत्तियों में कौन–कौन सी मदें सम्मिलित की जाती हैं।** **2**

Which item are included in the current Assets?

अथवा OR

चालू दायित्वों में कौन–कौन सी मदें सम्मिलित की जाती हैं।

Which item are included in the current Laibilites ?

प्रश्न –8 **चालू अनुपात एवं त्वरित अनुपात में कोई दो अंतर लिखिए ?** **2**

Write difference between current Ratio and Quick ratio. (Any two)

अथवा OR

तुलनात्मक वित्तीय विवरण से क्या आशय है।

What in meant by comparative financial statement ?

प्रश्न –9 **वित्तीय विश्लेषण के कोई दो उद्देश्य लिखिए** **2**

Write any two objectives of financial analysis.

अथवा OR

वित्तीय विश्लेषण की कोई दो सीमाएं लिखिए।

Write any two limitations of financial analysis.

प्रश्न –10 रोकड़ प्रवाह विवरण से क्या आशय है ? 2

Explain cash flow statement.

अथवा OR

रोकड़ प्रवाह विवरण की कोई दो सीमाएं लिखिए।

Write any two limitations of cash flow statement.

प्रश्न –11 **साझेदारी की कोई चार विशेषताएं समझाइये** **4**

Discuss any four characteristics of partnership.

अथवा OR

त्याग अनुपात एवं लाभ प्राप्ति अनुपात में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

What is the difference between sacrificing ratio and Gaining Ratio.

प्रश्न –12 **समता अंशों के कोई चार लाभ लिखिए ।** **4**

Write any four Advantages of equity shares?

अथवा OR

अंशों के हरण एवं समर्पण में अन्तर लिखिए ।

Distinguish between forfeiture and surrender of share?

प्रश्न –13 **सुरक्षित ऋण पत्र एवं असुरक्षित ऋण पत्र समझाइये ।** **4**

Explain secured and unsecured debenture.

अथवा OR

अंश धारी एवं ऋण पत्र धारी में अन्तर स्पष्ट कीजिए।

Differentiate between shareholder and debenture holder.

प्रश्न –14 मेहता लिमिटेड द्वारा 10000, 15% ऋण पत्र प्रत्येक 50 रू. के 10 रू. प्रीमियम पर निर्गमित किये गये। आवेदन पर 20 रू. तथा शेष आवंटन पर प्रीमियम सहित प्राप्त हो गये। कम्पनी की पुस्तक में जर्नल की आवश्यक प्रविष्टियां कीजिये ?

Mehta limited issued 10,000/-, 15% debenture of Rs. 50 each with Rs. 10 premium. The amount payable on application is Rs. 20 and remaining on allotment with premium. Write necessary entries in the Journals book of companies.

अथवा OR

आमेर लिमिटेड ने 200 रू. वाले 1000, 15% ऋण पत्रों को जारी किया। 25% प्रीमियम पर जारी 100 रू वाले समता अंशों में परिवर्तित करके शोधित कर दिया।

कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक प्रविष्टियां कीजिए। 4

Amer limited redeemed the 1000, 15% debenture of Rs. 200. at 25% premium by converting them into equity share of Rs. 100 each.

Pass the necessary entries in the books of company.

प्रश्न –15 कोष के स्त्रोतों की मदें बताइए। 4

Mention the item of sources of fund.

अथवा OR

कार्यशील पूॅजी क्या है ?

What is working capital.

प्रश्न –16 विनियोग क्रियाओं से रोकड़ प्रवाह में किन–किन मदों को शामिल किया जाता है ? 4

What are the items included in cash flow term investment activities?

अथवा OR

कोष प्रवाह विवरण के कोई चार उद्देश्य लिखिए।

Write any four objective of fund flow statement.

प्रश्न –17 लाभदायकता अनुपात पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए 4

Write a short note on probitability Ration.

अथवा OR

निम्नलिखित सूचनाओं से चालू अनुपात की गणना कीजिए।

चिट्ठा

दायित्व	राशि	सम्पत्ति	राशि
अंश पूँजी	42000	भूमि भवन	20000
विविध लेनदार	6000	प्लाट	16000
देय बिल	5200	प्राप्त विपत्र	5000
अदत्त व्यय	2800	देनदार	8000
बैंक अधिविकर्ष	4000	हस्तस्थ रोकड	1000
		स्टॉक	10000
कुल	**60000**	**कुल**	**60000**

Calculate current ratio from the following :-

Balance Sheet

Liabilities	Amount	Assets	Amount
Share Capital	42000	Land and Building	20000
Sundry Creditor	6000	Plant	16000
Bills Payble	5200	Bills Receivable	5000
Outstanding Exp.	2800	Debtors	8000
Bank overdraft	4000	Cash in hand	1000
		Stock	10000
	60000		**60000**

प्रश्न –18 माल के प्रेषण एवं विक्रय में अन्तर स्पष्ट कीजिए । 5

Distinguish between consigenment and sale.

अथवा

OR

महाकाली ड्रग हाउस, मुम्बई ने 35 पेटियॉ दवाई की सुभाष ड्रग हाउस रायपुर को 8400 बीजक मूल्य पर भेजी जो कि लागत मूल्य से 20% अधिक था और उन्होंने गाडी भाडा व रेल किराये के 700 रू. चुकाये। मार्ग में 5 पेटियां खो गई और रेल्वे कम्पनी ने 1000 रू. हर्जाने के दिये। प्रेषणी ने शेष पेटियां प्राप्त की और उस पर 420 रू. व्यय किये। प्रेषणी ने 7500 रू. में 25 पेटियां विक्रय की सूचना दी। उसके द्वारा 600 रू. बिक्री व्यय हुआ। वे कुल बिक्री पर 5% कमीशन के अधिकारी है। प्रेषण खाना बताइये।

Mahakali Drug House, Mumbai consigned 35 boxes of medicine to Subhash Drug house Raipur at an Invoice price Rs. 8400 Which was 10% more than the actual cost Price and Paid Rs. 700 for bright. In transit 5 boxes used last and Railway company paid Rs. 1000 for the loss. The consignee took the delivery of the remaining boxes and incurred Rs. 420 for expenses. The consignee sent intimation the sale of 25 boxes for on 7500. The selling expenses incurred by them amounted Rs. 600. They are entitled to a commission 5% of gross sales. Prepare consignment account.

प्रश्न –19 एक फर्म में X और Y साझेदार हैं जो 3 : 2 के अनुपात में साझेदार है। उन्होंने R को 1/4 भाग के लिये साझेदार बनाया। लाभ–हानि का नया अनुपात ज्ञात कीजिए।

X and Y are partner in a firm. Their profit sharing ratio is 3 : 2. They make R as a new partner for 1/4 share. Give new profit distribution.

अथवा OR

ख्याति की पॉच विशेषताओं का वर्णन कीजिए 5

Discuss the five characteristics of Goodwill.

प्रश्न –20 **<u>स्थायी पक्ष की निम्न मदों को समझाइये :–</u>**

1. स्थायी सम्पत्ति 2. विनियोग

Explain the following using item of assets side :-

(i) Fixed Assets (ii) Investment

अथवा OR

निम्न मदों को तीन शीर्षक

1. स्थायी सम्पत्तियॉ
2. चालू सम्पत्तियॉ
3. अग्रिम वर्गीकृत कीजिए –

खुले औजार, ख्याति प्राप्त बिल, देनदार, फर्नीचर, भूमि, व्यापारिक रहतिया गाडी, बैंक रोकड़ संयन्त्र।

Rearrange the following items under three head

i) Fixed assets ii) Current assets iii) Loan and advances

Loose tools, Goodwill, Bills receivable, Debitor furniture, land, Trade, Stock, vehicle, cash at Bank plant.

प्रश्न –21 किन–किन दशाओं में एक साझेदार फर्म से अलग हो सकता है ।
Write any five conditions in which a partner can take retirement from the firm.

अथवा OR

अंकित व राहुल साझेदार है जो क्रमशः 3/5 व 2/5 के अनुपात में लाभ विभाजित करते हैं। उनका चिट्ठा निम्न प्रकार है 5

चिट्ठा

दायित्व	राशि	सम्पत्ति	राशि
लेनदार	2500	रोकड शेष	500
पूंजी खाते		देनदार	2000
अंकित 8000		स्कन्ध	3500
राहुल 3500	11500	भवन	3500
		यन्त्र	4500
	14000		**14000**

उन्होंने निम्न शर्तों पर सुमत को साझेदारी में प्रवेश दिया।

अ) भवन का मूल्य 1500 रू. बढ़ाना है।

ब) यन्त्र का मूल्य 1000 रू. घटाना है।

स) नई फर्म की पुस्तकों में ख्याति खाता खोला जायेगा।

द) सुमत लाभ में 1/5 भाग पाने हेतु यथेष्ठ पूंजी देगा। पूर्नमूल्यांकन खाता तथा साझेदार के पूंजी खाता बनाइए।

Ankit and Rahul are partners who divide profit in ratio of 3/5, 2/5 respectively. Their balance sheet is as under :-

Balance Sheet Assets

Liabilities	Amount	Assets	Amount
Creditor	2500	Cash Balance	500
Capital a/c		Debtors	2000
Ankit 8000		Stock	3500
Rahul 3500	11500	Machinery	4500
		Building	3500
	14000		14000

They admitted Sumit as a partner subject to the following conditions :-

(i) Value of Building is to be a appreciated by Rs. 1500.

(ii) Value of machine is to be depreciated by Rs. 1000.

(iii) Good will account is to be opened in the book of new firm for Rs. 2000.

(iv) Sunil will bring required capital for 1/5th. Share prepare Revaluation account and partner's capital account.

प्रश्न –22 **कुलदीप के पास 10रू. वाले 300 अंश सुनीता लिमिटेड के हैं जो 10% बट्टे पर निर्गमित किये गये थे। उसने आवेदन पर 2 रू. प्रति अंश की राशि चुका दी किन्तु आवंटन पर 3 रू. प्रति अंश एवं प्रथम याचना 2 रू. प्रति अंश की दर से नहीं चुकायी। अतः उसके अंश जप्त कर लिये गये।**

कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियॉ कीजिए।

Kuldeep has 300 share of Rs. 10 each of Suneeta Limited which ware issued on 10% Discount. He paid Rs. 2 per share on application but could not pay allotment amount Rs. 3 and frist all amount of Rs. 2 per share. His shares were farfeited pass journal entries in the book of company.

अथवा OR

समता अंश एवं पूर्वाधिकार अंश में अन्तर बताइये 5

Deffentiate between Equity Shares and

प्रश्न –23 **हर्षित लिमिटेड ने 10रू. वाले 10000 अंश, 1 रू. बट्टे पर जनता में निर्गमित किये तथा राशि निम्न प्रकार मांगी गई। आवेदन पर 2रू. प्रति अंश, आवंटन पर 3 रू. प्रति अंश तथा शेष याचना पर यह मानते हुए कि सभी राशियां यथा समय प्राप्त हो गयी, कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक पंजी प्रविष्टियां कीजिए।** 6

Harshit limited issued 10,000 share of Rs. 10 each at a discount of Rs. 1 per share, payables Rs.2 per share on application. Rs. 3 per share on allotment and the balance on call. Assuming that all the money were duely received, Pass necessary Journal entries in the books of company.

अथवा OR

रिचा कम्पनी ने 100 रू. वाले 2500 अंश जनता की निम्न प्रकार से निर्गमित किये–20 रू. प्रार्थना पत्र पर, 30रू. आवंटन पर (10रू. प्रीमियम सहित) तथा शेष याचना पर। समस्त अंशों के लिये प्रार्थना पत्र प्राप्त हुये आवंटन किया गया। समस्त राशि प्राप्त हो गई।

कम्पनी की पुस्तकों में जर्नल प्रविष्टियां कीजिए।

Richa company issued 2500 equity share of Rs. 100 each as following : Rs. 20 on application Rs. 30 on allotment (including Rs. 10 as premium) and balance on all made one month after allotment. All money was received.

Pass Journal entries in the books of company.

प्रश्न –24 **पूर्नमूल्यांकन खाता एवं वसूली खाते का तुलनात्मक वर्णन कीजिए ।** 6

Diferentiate between revaluation account or revaluation account.

अथवा OR

K, S और R साझेदार है जो लाभ हानि 3:2:1 में बांटते हैं। 31 मार्च 2013 को उनका चिट्ठा निम्नानुसार है :–

चिट्ठा

दायित्व	राशि	सम्पत्ति	राशि
लेनदार	20100	बैंक में रोकड	6250
देय बिल	8400	स्टॉक	28700
अ का ऋण	28500	देनदार 28500	
पूंजी		प्रावधान —1500	27000
K 40000		संयंत्र एवं मशीनरी	65550
S 6000			
R 20000	66000		
सामान्य आरक्षिति	4500		
	127500		**127500**

1 अप्रेल 2013 को फर्म का विघटन हो गया –

1) 30000 रू. का संयुक्त जीवन बीमा पॉलिसी था। पॉलिसी को 7500 में समर्पण कर दिया गया।

2) सम्पत्तियों से निम्न प्रकार राशि प्राप्त हुई – स्टॉक 23500, ख्याति 600रू देनदार पुस्कीय मूल्य का 60% मशीनरी 45,000 रू.

3) देयताओं का पूर्ण भुगतान किया गया।

4) वसूली व्यय 200 रू. हुआ।

वसूली खाता बनाइये।

K. S. and R are partner sharing profit and losses in the ratio 3 : 2 : 1 on 31st march 2013. Their Balance Sheet was as following :-

Balance Sheet

Laibilites		Amount	Asstes		Amount
Creditor's		20100	Cash at Bank		6250
Bills Payable		8400	Stock		28700
As Loan		28500	Debtrors	28500	
			Provition	1500	27000
Capital			Plant and Machinery		65550
K	40000				
S	6000				
R	20000	66000			
Genral Reseive		4500			
		127500			127500

The Firm was dissolved on 1st April 2013 :-

(i) There was a Joint life policy of Rs. 30,000. The policy was surrendered for Rs. 7500.

(ii) The assets were realised as under. Stock Rs. 23,000, Goodwill Rs. 6,000, Debtors 60% of the book value, Machinery Rs. 45,000.

(iii) Liabilities were paid in full.

(iv) The expenses on realisation amounted Rs. 200.

Prepare realisation account.

……..…..xxx……

हायर सेकेण्डरी सर्टीफिकेट परीक्षा

(बहिखाता एवं लेखाकर्म)

आदर्श उत्तर

प्रश्न –1 **सही विकल्प :–** **5**

(क) असामान्य हानि

(ख) लाभ

(ग) स्थायी अदृश्य सम्पत्ति

(घ) ब्याज

(ड) ऋणदाता

प्रश्न –2 **रिक्त स्थानों की पूर्ति :–** **5**

(1) प्रबन्ध

(2) 3 : 1

(3) प्रधान / प्रेषक

(4) एच्छिक

(5) स्थानीय व्यापार

प्रश्न –3 **जोड़ियाँ :–** **5**

(i) स. फर्म का पुनर्गठन

(ii) ग. प्राप्ति अनुपात

(iii) द. नाम मात्र का खाता

(iv) ई. साझेदार के ऋण

(v) ब. ख्याति

प्रश्न –4 **एक वाक्य में उत्तर :–** **5**

(अ) प्रेषणी / एजेन्ट

(ब) मृतक का उत्तराधिकारी

(स) एक बार

(द) स्थायी पूँजी खाता

(इ) बाहक ऋण पत्र

प्रश्न –5 सत्य/असत्य :– **5**

अ) असत्य

ब) असत्य

स) सत्य

द) असत्य

इ) असत्य

प्रश्न –6 अपरिवर्तन शील ऋण पत्र वे ऋण पत्र होते हैं जिनको कभी भी अन्य ऋण पत्रों एवं अंशों में परिवर्तन नहीं किया जा सकता है। **2**

अथवा

ऐसे ऋण पत्र जिनके मूलधन का भुगतान कम्पनी के जीवन काल में हो ही नही सकता, केवल कम्पनी के समापन के अवसर पर ही भुगतान किया जाता है।

प्रश्न –7 चालू सम्पत्तियों में निम्नलिखित मदें शामिल की जाती हैं। रोकड़ शेष, बैंक शेष, प्रतिभूतियाँ विपणन योग्य, देनदार, स्कन्ध, पूर्वदत्त व्यय, अल्पकालीन ऋण, प्राप्त विपत्र अनुपार्जित आय, अग्रिम भुगतान खुले औजार, आदि।

(प्रत्येक बिन्दु का 1/2 अंक कुल 2 अंक)

अथवा

चालू दायित्व में निम्नांकित मदें शामिल की जाती हैं, लेनदार, देय विपत्र, बैंक अधिविकर्ष, अदत व्यय बैंक ऋण, उपार्जित आय, अग्रिम प्राप्ति, प्रावधान आदि।

(प्रत्येक बिन्दु का 1/2 अंक कुल 2 अंक)

प्रश्न –8 1) चालू अनुपात, चालू देयताओं से चालू सम्पत्तियों के सम्बन्ध को बतलाता है। जबकि त्वरित अनुपात चालू देयताओं से त्वरित सम्पत्तियों के सम्बन्ध को बतलाता है।

2) चालू अनुपात की स्थिति में परम्परागत संतोष जनक मानक 2 : 1 है,

जबकि त्वारित अनुपात की स्थिति में यह अनुपात 1 : 1 है।

3) चालू अनुपात का सूत्र = चालू सम्पत्तियाँ
चालू दायित्व

जबकि त्वरित अनुपात का सूत्र = त्वरित सम्पत्तियाँ
चालू दायित्व

(प्रत्येक बिन्दु का 1 अंक कुल 2 अंक)

अथवा

तुलनात्मक वित्तीय विवरण, विश्लेषण की महत्वपूर्ण तकनीक है, जिसके अन्तर्गत दो या दो से अधिक तर्को के समंकों को तुलनात्मक रूप में प्रस्तुत किया जाता है तथा इन समंकों के अध्ययन एवं विश्लेषण के आधार पर उनमें वृद्धि या कमी प्रदर्शित की जाती है।

प्रश्न –9 **वित्तीय विश्लेषण के उद्देश्य निम्नानुसार हैं :–** **2**

1. संस्था की अर्जन क्षमता अथवा लाभदायकता का ज्ञान प्राप्त करना।
2. संस्था की वित्तीय स्थिति की जानकारी तथा सुदृढ़ वित्तीय बनाये रखना।
3. कोष प्रवाह विवरण एवं रोकड़ प्रवाह विवरण के निर्माण में सहायता प्रदान करना।
4. ब्यज एवं लाभाश भुगतान करने की क्षमता की जानकारी अर्जित करना।

(प्रत्येक बिन्दु का 1 अंक कुल 2 अंक)

अथवा

वित्तीय विवरण की प्रमुख सीमा निम्न हैं :–

(1) अतीत के आधार पर भविष्य के लिये अनुमान लगाना हमेशा उचित नही होता है।

(2) एक संस्था के वित्तीय विवरणों की तुलना दूसरी संस्था के वित्तीय विवरणों से नही की जा सकती।

(3) वित्तीय विवरणों में मूल्य में होने वाले परिवर्तनों को शामिल नही किया जा सकता है।

(4) वित्तीय विवरणों को सम्मिलित, समंक स्वयं में बोलने में असमर्थ होते है।

(प्रत्येक बिन्दु पर 01 अंक कुल 2 अंक)

प्रश्न –10 रोकड़ प्रवाह विवरण एक ऐसा विवरण है, जो व्यवसायिक संस्था में एक निर्धारित अवधि के अन्तर्गत अंन्दर व बाहर रोकड़ की गति को दर्शाता है। इससे यह भी प्रकट होता है। कि किन–किन स्त्रोतों से व्यवसाय ने रोकड़ अर्जित की है व किन मदों पर रोकड़ का प्रयोग किया है।

अथवा

रोकड़ प्रवाह विवरण की सीमाऍं निम्न है :–

1. रोकड़ को सही प्रकार से परिभाषित करना संभव नहीं है।
2. रोकड़ प्रवाह विवरण से फर्म की तरलता के संबंधों में सही जानकारियां नहीं मिल पाती है।
3. रोकड़ प्रवाह विवरण का सम्बन्ध केवल रोकड़ स्त्रोतों से होता है। अतः इसका क्षेत्र संकुचित है।
4. इसमें केवल रोकड़ मदों को शामिल किया जाता है। गैर रोकड़ मदों को नही। इसलिये शुद्ध आय प्राप्त नही होती।

(प्रत्येक बिन्दु पर 01 अंक कुल 2 अंक दिये जाये)

प्रश्न –11 **साझेदारी की प्रमुख विशेषताएं निम्न हैं :–**

1. दो या दो अधिक व्यक्तियों का होना आवश्यक है।
2. साझेदारों के मध्य पारस्परिक सम्बन्ध एवं समझौता होना आवश्यक है।
3. साझेदारी किसी वैध व्यापार को चलाने के लिये की जाती है।
4. साझेदारी का जन्म साझेदारों के मध्य लाभ–हानि बांटने के लिये किया जाता है।
5. साझेदारो का दायित्व असीमित होता है।

(प्रत्येक बिन्दु का 1अंक कुल 4 अंक)

अथवा

त्याग अनुपात एवं लाभ प्राप्ति अनुपात में निम्न अंन्तर है :–

आधार	त्याग अनुपात	लाभ–हानि अनुपात

1. आशय	नये साझेदार के प्रवेश पर पुराने साझेदारों द्वारा जो अनुपात त्याग जाता है उसे त्याग का अनुपात कहते हैं।	किसी साझेदार के अवकाश या मृत्यु पर शेष साझेदारों के अनुपात में वृद्धि होती है, उसे लाभ प्राप्ति अनुपात कहते हैं।
2. गणना का समय	त्याग अनुपात की गणना नये साझेदार के प्रवेश पर की जाती हे।	लाभ प्राप्ति अनुपात की गणना साझेदार की निवृत्ति या मृत्यु पर की जाती है।
3. आवश्यकता	नये साझेदार द्वारा लायी गई ख्याति का पुराने साझेदारों में समायोजन करने के लिये की जाती है।	अवकाश प्राप्त मृतक साझेदारों के हिस्से की ख्याति का शेष साझेदारों में समायोजनके लिये।
4. अनुपात	पुराने साझेदारों का लाभ अनुपात कम हो जाता है।	शेष साझेदारों के लाभ अनुपात में वृद्धि हो जाती है।
5. गणना विधि	पुराना अनुपात–नया अनुपात = त्याग अनुपात	नया अनुपात–पुराना अनुपात = लाभ प्राप्ति अनुपात

(प्रत्येक बिन्दु का 1अंक कुल 4 अंक)

प्रश्न –12 **समता अंशों के लाभ निम्न हैं :–**

(1) लाभांश की दर बदलती रहती है।

(2) पूर्वाधिकार अंशधारियों लाभांश को भुगतान करने के बाद इनकों लाभांश मिलता है।

(3) समता अंशधारी कम्पनी के वास्तविक स्वामी होते हैं।

(4) समता अंशाधरियों को प्रत्येक प्रस्ताव पर मत देने का अधिकार होता है।

(5) लाभ होने पर प्रतिवर्ष लाभांश देना अनिवार्य नहीं है।

(प्रत्येक बिन्दु का 1अंक कुल 4 अंक)

अथवा

अंशों के हरण एवं समर्पण में निम्न अन्तर है :–

अंशो का हरण	अंशो का समर्पण

1. अंशधारी द्वारा अंशो के शेष को भुगतान न करने पर कम्पनी द्वारा अंशों का हरण किया जाता है।	1. अंशधारी स्वयं अंशो को कम्पनी को वापस कर देता है।
2. अंशों के हरण के लिये वैधानिक नियमों का पालन किया जाता है।	2. अंशो का समर्पण अंशधारी स्वैच्छता से करता है।
3. अंशों के हरण के लिये कम्पनी को अंश हरण का प्रस्ताव पास करना आवश्यक है।	3. अंशों के समर्पण के लिये प्रस्ताव पास करना आवश्यक नहीं।
4. अंशों के हरण के लिये कम्पनी अधिनियम में प्रावधान दिये गये हैं।	4. अंशों के समर्पण के लिये कम्पनी नियमों में कोई प्रावधान नही है।

(प्रत्येक बिन्दु का 1अंक कुल 4 अंक)

प्रश्न –13 **<u>सुरक्षित ऋण पत्र का आशय :–</u>**

जिन ऋण पत्रों के कम्पनी की सम्पति पर प्रभार या बंधक होता है। उसे सुरक्षित तथा बंधक ऋण पत्र कहते हैं।

<u>असुरक्षित ऋण पत्र से आशय :–</u>

वे ऋण पत्र जिन पर कम्पनी मूलधन या ब्याज के भुगतान के कम्पनी की सम्पति का कोई भार नही होता, उन्हें असुरक्षित ऋण पत्र कहते हैं।

(प्रत्येक बिन्दु का 2अंक कुल 4 अंक)

अथवा

अंश पत्र धारी	**ऋण पत्र धारी**
1. अंशधारियों को लाभांश पाने का अधिकारी होता है।	1. ऋण पत्रधारी को केवल ब्याज मिलता है
2. अंशधारी कम्पनी का स्वामी होता है।	2. ऋण पत्र धारी कम्पनी का लेनदार होता है।
3. अंशधारी को हानि की दशा में लाभांश नही मिलता।	3. ऋण पत्र धारी को हानि की दशा में भी ब्याज प्राप्त होता है।
4. कम्पनी को अंशो से प्राप्त राशि पूंजी	4. कम्पनी को ऋण पत्रों से प्राप्त राशि

कहलाता है। 5. अंश पूंजी समापन के अवसर पर वापस की जाती है।	ऋण कहलाता है। 5. ऋण अनुबन्ध की शर्तों के अनुसार वापस किया जाता है।

(प्रत्येक बिन्दु का 1 अंक कुल 4 अंक)

प्रश्न –14 Journal Entries in the Books of Mehato Ltd. :-

Date	Partociular	L.F	Dr. Amount	Cr. Amount
1	Bank A/c Dr. To 15% Debenture application a/c (Being amount of application transper to debenture a/c)		2,00,000	 2,00,000
2	15% Debenture application A/c To 15% Debenture a/c (Being amount of application transfer to debenture a/c)		2,00,000	 2,00,000
3	15% Debenture allotment a/c To 15% Debenture premium a/c To 12% Debenture a/c (Being amount of allotment due with premium)		4,00,000	 3,00,000 1,00,000
4	Bank a/c Dr. To 15% Debenture allotment a/c (Being the amont of allotment receive)		4,00,000	 4,00,000

अथवा

प्रश्न –14 Journal Entries in the Books of Amer Ltd. :-

Date	Particular	L.F	Dr. Amount	Cr. Amount

1	15% Debenture a/c Dr. Premium on redemption of Deb. a/c Dr. To Debentue holder a/c (Being the amount due to debenture holder)		2,00,000 50,000	 2,50,000
2	Debeture holder a/c Dr. To Equity Share Capital a/c (Being is used of 2500 equity share Rs. 100 each at per on converssion of 2000 debenture)		2,50,000	 2,50,000

कुल 4 अंक

प्रश्न –15 **कोष के स्त्रोत निम्न हैं :–**

(1) संचालन से कोष
(2) अंशो के निर्गमन से
(3) ऋण पत्रों के निर्गमन से
(4) दीर्घकालीन ऋणों की प्राप्ति
(5) स्थायी सम्पत्ति की विक्री से
(6) गैर व्यापारिक प्राप्तियॉ
(7) कार्यशील पूंजी में कमी

(प्रत्येक बिन्दु का 1 अंक कुल 4 अंक)

अथवा

कोष या फण्ड शब्द का अभिप्राय कार्यशील पूंजी से लगाया जाता है। अर्थात यह विवरण कार्यशील पूंजी में परिवर्तन फण्ड या कोष में परिवर्तन को दर्शाता है। चालू सम्पत्ति का चालू दायित्वों पर आधिक्य कार्यशील पूंजी को दर्शाता है। चालू सम्पत्ति में हस्तथ रोकड़, बैंक में रोकड़ प्राप्त बिल, देनदार, स्टाक पूर्व दत्त व्यय, अल्प कालीन विनियोग आदि को शामिल किया जाता है। जबकि चालू दायित्वों में लेनदार, बैंक अधि विकर्ष, अदत्त व्यय व अन्य अल्प कालीन दायित्वों को शामिल करते हैं।

(कुल 4 अंक)

प्रश्न –16 **<u>विनियोग क्रियाओं में मुख्य रूप से निम्न क्रियाएं सम्मिलित की जाती हैं :–</u>**

(1) स्थायी सम्पत्ति के विक्रय से प्राप्त रोकड़ (अमूर्त सम्पति सहित)।

(2) स्थायी सम्पत्ति को क्रय करने में रोकड़ भुगतान (अमूर्त सम्पति सहित)

(3) अन्य संस्थाओं के अंश, अधिपत्र व ऋण पत्रों के क्रय पर रोकड़ी भुगतान।

(4) बीमा दावों से प्राप्ति जो सम्पत्ति किसी दुर्घटना में शामिल हो।

(5) अन्य संस्थाओं के अंश अधिपत्र व ऋणपत्रों के विक्रय पर प्राप्त रोकड़।

(नोट– समान उत्तर लिखने पर प्रत्येक बिन्दु के लिये एक अंक कुल 4 अंक)

अथवा

<u>कोष प्रवाह विवरण के निम्न उद्देश्य हैं :–</u>

1. **लाभांश नीति का निर्धारण**– व्यवसाय में शुद्ध लाभ होने पर भी लाभांश वितरण की स्थिति नहीं होती है लाभ उधार विक्रय के कारण वसूली नही हो पाया इस कारण व्यवसाय में तरलता का अभाव है।
2. बैंक एवं वित्तीय संस्था कोष प्रवाह विवरण का विश्लेषण कर कार्यशील पूंजी की स्थिति, उनकी ऋण चुकाने की क्षमता की जांच कर ऋण प्रदान करते हैं।
3. कार्यशील पूंजी की मात्रा व्यवसाय में कम है अथवा पर्याप्त है, निर्धारण कर, कार्यशील पूंजी के प्रवन्ध का आवश्यक नियोजन किया जा सकता है।
4. कोष प्रवाह विवरण गैर व्यावसायिक क्रियाओं का पुनः समायोजन कर व्यवसाय की क्रियाओं से होने वाले शुद्ध व्यवसायिक लाभ का निर्धारण करता है।

(नोट – समान उत्तर पर प्रत्येक बिन्दु के लिये 1 अंक कुल 4 अंक)

प्रश्न –17 यह अनुपात व्यवसाय के लाभ तथा शुद्ध विक्रय के मध्य अनुपात को प्रदर्शित करता है तथा यह निश्चित करता है। कि पूंजी विनियोग के आधार पर उचित लाभ अर्जित किया जा रहा है या नही। इसकी गणना निम्न प्रकार की जाती है :–

सकल लाभ

(1) सकल लाभ अनुपात = $\frac{\text{सकल लाभ}}{\text{विक्रय}} \times 100$

सकल लाभ = शुद्ध विक्रय – प्रत्यक्ष व्यय

(2) शुद्ध लाभ अनुपात = $\frac{\text{शुद्ध लाभ} \times 100}{\text{विक्रय}}$

शुद्ध लाभ = सकल लाभ – अप्रत्यक्ष व्यय

(कुल 4 अंक)

अथवा

Current Raio = $\frac{\text{Current Assets}}{\text{Current Laibilities}}$

Current Assete =	Bill Receivable	5000
	Debitors	8000
	Stock	10000
	Cash	1000

Current Laibilities =	Sundry Creditor	6000
	Bills Payable	5200
	Out standing Exp	2800
	Bank over draft	4000
		18000

Current Ratio = $\frac{\text{Current Asses}}{\text{Current Laibilities}}$

$\frac{24000}{18000} = \frac{4}{3}$ or 4 : 3 Ans.

(कुल 4 अंक)

प्रश्न –18 माल के प्रेषण एवं विक्रय में अन्तर :–

अन्तर का आधार	प्रेषण	विक्री
1. स्वामित्व	भेजे गये माल का स्वामित्व प्रेषक का होता है।	विक्रय के पश्चात माल का स्वामित्व क्रेता का होता है।

2. जोखिम	प्रेषण से सम्बन्धित समस्त जोखिम प्रेषक की होती हैं।	विक्रय के बाद माल से सम्बन्धित जोखिम क्रेता की होती है।
3. आपसी सम्बन्ध	प्रेषक और प्रेषणी मध्य प्रधान और एजेन्ट का सम्बन्ध होता है।	क्रेता तथा विक्रेता के मध्म लेनदार तथा देनदार का सम्बन्ध होता है।
4. बीजक	प्रेषण पर भेजे गये माल का कच्चा बीजक बनाया जाता है।	विक्रय किये गये माल का पक्का बीजक बनाया जाता है।
5. पारिश्रमिक	प्रेषणी माल के विक्रय पर निश्चित दर से कमीशन प्राप्त करने का अधिकार होता है।	माल के विक्रय पर विक्रेता को लाभ प्राप्त होता है।

(5 बिन्दु लिखने पर 5 अंक दिये जायें)

अथवा

In the Books of Mahakali Drug House, Mumbai

Raipur Consigenment Account

Particular	**Amount**	**Particuler**	**Amount**
To Goods sent on Consigenment a/c	8400	By Goods sent on Consigenmnet a/c	1400
To Cash a/c		By Abnarmal Loss a/c	1100
Rail freignt	700	By Subhash Drug House Sales	7500
To Subhash Drug House		By Stock with Agent	1370
Exp. 420			
Selling Exp. 600			
Commission 375	1395		
To Stock suspence a/c	200		
To Profit & Loss a/c	675		
	11370		11370

Working Note :-

(1) असामान्य हानि की गणना :

असामान्य हानि = भेजे गये माल की लागत + प्रेषक के व्यय X असामान्य हानि

भेजा गया माल

$$= \frac{7000 + 700 \times 5}{35} = \frac{7700 \times 5}{35} = 1100$$

(2) लागत मूल्य की गणना :

$$\text{लागत मूल्य} = \frac{\text{बीजक मूल्य} \times 100}{100 + \text{लाभ की दर}} = \frac{8400 \times 100}{100 \times 20}$$

$$= \frac{8400 \times 100}{120} = 7000$$

(3) लागत मूल्य से आधिक्य :

= बीजक मूल्य - लागत मूल्य

= 8400 - 7000

= 1400

(4) शेष माल की गणना :

$$A = \frac{\text{प्रेषक पर भेजे माल का बीजक मूल्य} + \text{प्रेषक के व्यय} \times \text{शेष माल}}{\text{भेजा गया माल}}$$

$$B = \frac{\text{प्रेषणी के प्रत्यक्ष व्यय} \times \text{शेष माल}}{\text{भेजा गया माल} - \text{असामान्य हानि}}$$

$$A = \frac{8400 + 700 \times 5}{35} = \frac{9100 \times 5}{35} = 1300$$

$$B = \frac{420 \times 5}{35 - 5} = \frac{420 \times 5}{30} = \frac{70}{1370}$$

(5) स्टाक उदरत की राशि की गणना :

$$\frac{\text{बीजक मूल्य} - \text{लागत मूल्य} \times \text{शेष माल}}{\text{भेजा गया माल}}$$

$$\frac{8400 - 700 \times 5}{35} = \frac{1400 \times 5}{35} = 200$$

(कुल 5 अंक)

प्रश्न –19 माना कि फर्म का कुल लाभ = 1

$$R \text{ को भाग देने के बाद शेष} = 1 - \frac{1}{4} = \frac{4-1}{4} = \frac{3}{4}$$

शेष $\frac{3}{4}$ भाग को X एवं Y में बांटने पर

X का नया भाग $\frac{3}{4} \times \frac{3}{5} = \frac{9}{20}$

Y का नया भाग $\frac{3}{4} \times \frac{5}{5} = \frac{6}{20}$

R का नया भाग = $\frac{1}{4} \times \frac{2}{5} = \frac{5}{20}$

नया अनुपात = $\frac{9}{20} : \frac{6}{20} : \frac{5}{20}$ या 9 : 6 : 5

अथवा

ख्याति की विशेषताएं निम्न है :–

1. ख्याति एक अमूर्त सम्पत्ति है। क्योंकि इसका कोई भौतिक स्वरूप नही होता है।
2. ख्याति का सम्बन्ध व्यवसाय के लाभार्जन करने की क्षमता है।
3. ख्याति का मौद्रिक मूल्य निश्चित किया जा सकता है।
4. ख्याति का विक्रय अन्य स्थायी सम्पत्ति की तरह किया जा सकता है।
5. ख्याति का अपलेखन धीरे–धीरे किया जा सकता है।

(नोट – समान उत्तर के प्रत्येक बिन्दु पर एक अंक कुल 5 अंक)

ण्प्रश्न –20 **(1) स्थायी सम्पत्ति :–** स्थायी सम्पत्तियों में वह सम्पत्ति शामिल होती हैं, जो यवसाय में स्थायी रूप से दीर्घकाल तक प्रयोग की जाती हैं। इन सम्पत्तियों का प्रयोग पुनः विक्रय के लिये नही किया जाता है।

स्थायी सम्पत्ति को चिट्ठे में क्रमानुसार दर्शाया जाता है :–

1) ख्याति 2) भूमि 3) भवन 4) पट्टे की भूमि

5) रेल्वे साइडिंग 6) प्लाट एव मशीनरी 7) फर्नीचर एवं फिटिंग

8) पेटेण्ट एवं ट्रेडमार्क 9) पशु सम्पत्ति व जीवित स्टॉक

10) वाहन आदि

कम्पनी की स्थिति मे विवरण में स्थायी सम्पत्ति :–

अलग–अलग मूल लागत पर दिखाया जाना चाहिये। तथा वर्ष में इन सम्पत्तियों की वृद्धि एवं कमी तथा प्रत्येक सम्पत्ति पर लगाया गया ह्रास स्पष्ट रूप से दिया जाता है।

(2) विनियोग :– कम्पनी के चिट्ठे में स्थायी सम्पत्ति लिखने के बाद विनियोग की प्रकृति के अनुसार विभिन्न शीर्षकों में विनियोग को दर्शाया जाता है।

चिट्ठे में विनियोगों को निम्म समूह में वर्गीकृत किया जाता है –

(1) सरकारी एवं ट्रस्ट की प्रतिभूतियों में विनियोग।

(2) अंशों, ऋणपत्रों व बाण्डों में विनियोग।

(3) अचल सम्पत्तियों में विनियोग।

अथवा

स्थायी सम्पति	चालू सम्पत्ति	ऋण आग्रिम
ख्याति भूमि संयत्र फर्नीचर गाड़ी	खुले औजार रहतिया देनदार बैंक शेष	प्राप्त विपत्र

(नोट :– दो सही पर 1 अंक कुल 5 अंक)

प्रश्न –21 भारतीय साझेदारी अधिनियम के अनुसार

कोई भी साझेदार, साझेदारी संलेख के अनुसार या फर्म के शेष अन्य साझेदारों की अनुमति से फर्म से अलग हो सकता है, परन्तु जहां साझेदारी स्वेच्छा से है, तो ऐसी स्थिति में अवकाश ग्रहण करने वाला साझेदार शेष

साझेदारों को सिर्फ लिखित सूचना देकर अलग हो जाता है। इसके अतिरिक्त निम्न परिस्थितियों में साझेदार फर्म से अलग होने का निश्चय करता है :–

(1) वृद्धावस्था के कारण

(2) अस्वस्थ के कारण

(3) अन्य साझेदारों से पारस्परिक अथवा सैद्धांतिक मतभेद होने के कारण

(4) फर्म के अन्य साझेदारों द्वारा कानून सन्मत कार्य न करने के कारण

(5) जब व्यवसाय गत कई वर्षों से हानि में चल रहा है।

(नोट – समान उत्तर पर कुल 5 अंक)

अथवा

Revaluation Account

Particulars	Amount	Particulars	Amount
To Machinery a/c	1000	By Building a/c	1500
To Partner Capital a/c			
Ankit 300			
Rahul 200	500		
	1500		1500

Capital Account

Particular	Amit	Rahul	Sumit	Particular	Amit	Rahul	Sumit
To Balance c/d	9500	4500	3500	By Balance b/d	800	3500	-
				By Cash	-	-	3500
				By Revaluation	300	200	-
				By Goodwill	1200	800	
	9500	**4500**	**3500**		**9500**	**4500**	**3500**

नये साझेदार की पूंजी = पुराने साझेदारों की पूंजी = 9500 + 4500

= 14000

$1-\frac{1}{5} = \frac{4}{5}$ भाग की पूंजी = 14000

$\frac{1}{5}$ सुनील की पूंजी = $14000 \times \frac{1}{5} \times \frac{5}{4} = 3500$

(नोट – पुर्न मूल्यांकन खाते के 2 अंक पूंजी खाते के 3 अंक कुल 5 अंक)

प्रश्न –22 **Journal Entries is the books of Sunita Limited :-**

Date	**Particuler**	**L.F.**	**Amount Dr.**	**Amount Cr.**
	Share Capital a/c Dr.		2400	
	To Share allotment a/c			600
	To Share Call a/c			900
	To Share Discount a/c			300
	To Share Forfeited a/c			600
	(Being forfeited of 300 share)			

(कुल 5 अंक)

अथवा

स. क्र.	**अन्तर का आधार**	**साधारण अंश**	**पूर्वाधिकार अंश**
1.	अंशराशि	समात अंश कम मूल्य वाले होते हैं।	समता अंशों की तुलना में पूर्वाधिकार अंशों का मूल्य अधिक होता है।
2.	मताधिकार	प्रत्येक प्रस्ताव परमत देने का अधिकार होता है।	मत देने का अधिकार केवल पूर्वाधिकार अंशों के हित के प्रस्ताव पर ही होता है।
3.	लाभांश की दर	लाभांश कीदर घटती बढ़ती रहती है।	इन पर निश्चित दर से लाभांश मिलता है।
4.	लाभांश से प्राथमिकता	समता अंश पर लाभांश पूर्वाधिकार अंश के बाद दिया जाता है।	इन पर लाभांश समता अंशों के लाभांश से पूर्व दिया जाता है।
5.	जोखिम	समता अंशों पर जोखिम अधिक होती है।	पूर्वाधिकार अंशों पर जोखिम कम होती है।

(नोट – प्रत्येक बिन्दु पर कुल 1 अंक कुल 5 अंक)

प्रश्न –23 Journal Entriest in the books of Harshita Limited

Date	Particuler	L F	Amount Dr.	Amount Cr.
1.	Bank a/c Dr. To Equity Share application a/c (Being application amount recived		20,000	 20,000
2.	Equity Share application a/c Dr. To Equity Share Capital a/c (Being Transfer of application money to equity share capital a/c)		20,000	 20,000
3.	Equity Share Allotment a/c Dr. Distcount on Issued of Share To Equity Share Capital a/c (Being allotment money due)		30,000 10,000	 40,000
4.	Bank a/c Dr. To Equity Share allotment a/c (Being allotment money recieve)		30,000	 30,000
5.	Equity Share Frist & finalcall a/c Dr. To Equity Share Capital a/c (Being call money due)		40,000	 40,000
6.	Bank a/c Dr. To Equity Share first&Final call (Being frist call money received)		40,000	 40,000

अथवा

Journal Entries is the books of Richa Limited

Date	Particular	L F	Amount Dr.	Amount Cr.
1.	Bank a/c Dr. To Share application a/c (Being application money received		50,000	 50,000
2.	Share application a/c Dr. To Share Capital (Being application money transfer to share capital a/c)		50,000	 50,000
3.	Share Allotment a/c Dr. To Share Capital a/c To Security Premium a/c (Being amount due on allotment along with premium on Share)		75,000	 50,000 25,000
4.	Bank a/c Dr. To Share allomen a/c (Being allotment money recieve)		75,000	 75,000
5.	Share First & final call a/c Dr. To Share Capital a/c (Being first call money due)		1,50,000	 1,50,000
6.	Bank a/c Dr. To Share first & Final call (Being frist call money received)		1,50,000	 1,50,000

(नोट – प्रत्येक सही प्रविष्टी का 1 अंक कुल 6 अंक)

प्रश्न –24 पूर्नमूल्यांकन एवं वसूली खाते में अन्तर :–

अन्तर का आधार	वसूली खाता	पूर्न मूल्यांकन खाता
1. समय	वसूली खाता फर्म के सम्पादन एवं विघटन के समय बनाया जाता है।	पूर्नमूल्यांकन खाता साझेदार के प्रवेश निवृत्ति एवं मृत्यु के समय बनाया जाता है।

2. उद्देश्य	वसूली खाता समापन के समय सम्पत्तियों के विक्रय एवं दायित्वों के भुगतान से होने वाले लाभ या हानि ज्ञात करने के उद्देश्य से बनाया जाता है।	साझेदार के प्रवेश, निवृत्ति या मृत्यु के समय सम्पत्ति, एवं दायित्वों के पूर्नमूल्यांकन के लिये बनाया जाता है।
3. प्रभाव	वसूली खाते में सम्पत्ति एवं दायित्वों के खाते बन्द हो जाते हैं।	पूर्न मूल्यांकन खाते में सम्पत्ति एवं दायत्वों के खाते बन्द नही होते।
4. विधि	इस खाते के नाम पक्ष में सम्पत्तियों को पुस्तक मूल्य तथा दायित्वों को वास्तविक भुगतान मूल्य पर दिखाया जाता है। तथा जमा पक्ष में दायित्वों को पुस्तक मूल्य पर एवं सम्पत्तियों को वास्तविक प्राप्त मूल्य पर दिखाया जाता है।	इस खाते में सम्पत्ति एवं दायित्वों के पुस्तक मूल्य एवं पूर्न मूल्यांकन मूल्य के अन्तर को लिखा जाता है।
5. आवृत्ति	यह खाता फर्म के जीवन काल में केवल एक बार ही बनाया जाता है	यह खाता फर्म के जीवन काल में अनेक बार बनाया जा सकता है।
6. व्यय	इस खाते में सम्पत्ति की बिक्री तथा दायित्वों के भुगतान में सामान्यतः वसूली व्यय करना पड़ता है।	सम्पत्ति एवं दायित्वों के पूर्नमूल्यांकन में सामान्यतः किसी भी प्रकार का व्यय नही करना पड़ता है।

(नोट – प्रत्येक बिन्दु के लिये 1 अंक कुल 6 अंक)

अथवा

Realization Account

Dr. **Cr.**

Particular	**Amount**	**Particuler**	**Amount**
To Stock	28,700	By Provision for	
To Debitors	28,500	dautful debt.	1500
To Plant and Machinery	65,550	By Creditors	20100
To Bank a/c		By Bills Payble	8400
Sundry Creditors 20100		By Bank Account	
Bills Payble 8400	28,500	Joint life policy 7500	
To Bank a/c		Stock 23500	
Realisation Exp.	200	Goodwill 6000	
		Debetors 17100	
		Machinery 45000	99100
		By Loss on Realisation	
		Transfer to	
		Pariners Capital a/c	
		K 11175	
		S 7450	
		R 3725	22350
	1,51,450		**1,51,450**

……..…..xxx……